सच से समझौता नहीं
प्रातः खबर

कृषि सामग्री के बेहतर वितरण के लिए किसानों के बीच जागरूकता सभा आयोजित

खबर संवाददाता

जोरहाट 22 नवंबर। असम कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अर्थनीति और पाम संचालन विभाग के सौजन्य से आज ऊपरी असम के तीन जिलों के चुनिंदा किसानों के बीच कृषि सामग्री के क्रय-विक्रय, बाजार व इस दिशा में की जाने वाली व्यवस्थाओं की जानकारी देने के लिए एक जागरूकता सभा का आयोजन किया गया। सभा में हिस्सा लेते हुए विभाग की मुख्य अध्यापिका डॉ. निवेदिता डेका ने कहा कि किसानों को उचित लाभ अर्जित करने के लिए बाजार पर नजर रखना जरूरी है। उनका कहना था कि बाजार की मांग को देखते हुए किसानों को खेती करनी होगी। सभा में हिस्सा लेते हुए विभाग की अध्यापिका संगीता बोरा ने कहा कि अधिक लाभ के लिए

किसानों को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों को इस दिशा में फार्मर प्रोड्यूसर की तरह काम करना होगा। इससे किसान व बाजार के बीच संपर्क अधिक बेहतर होगा। वहीं विभाग की अध्यापिका उदेष्णा तालुकदार ने किसानों को नई तकनीक तथा प्रोद्यौगिकी का इस्तेमाल करने का आह्वान किया। उन्होंने जानकारी दी कि असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए कृषि बाजार और सूचना केंद्र के जरिए किसानों को मोबाइल फोन की सहायता से इस दिशा में जानकारी उपलब्ध होगी। आज आयोजित कार्यक्रम में ऊपरी असम के जोरहाट, गोलाघाट और शिवसागर जिले के कुल साठ किसानों ने हिस्सा लिया। सभा के दौरान पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए बाजार की नई व्यवस्था और किसानों द्वारा उठाये जाने वाले कदमों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। सभा में हिस्सा लेते हुए कृषि विस्तारण शिक्षा विभाग के अध्यापक डॉ. उत्पल बर्मन ने कहा कि क्रेता-विक्रेता के बीच अच्छे संबंध से किसानों को अधिक फायदा मिलेगा। कार्यक्रम में अध्यापक डॉ. रमेन कुमार शर्मा ने भी अपने विचार रखे। वहीं इस दौर किसानों ने भी अपनी समस्याओं के बारें में अवगत करवाया।